

सारीख
दुबग

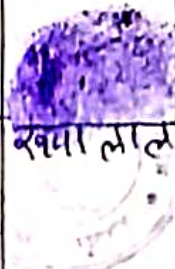
दुबग या कार्यवाही मय इनिशियान्स जज

नम्बर व सारीख
अहकाम जो इस
दुबग की सामील
में जारी हुए

"पूरा का बंधन आदेश दिनांक 21/5/19 आगामी
तारीख तक प्रशासित रहे। को निष्पत्ती
संग्रह जोवे

17/01/2002 प्रार्थी द्वारा एक प्रार्थना पत्र जाति
भिरल तलवी का पेश कर निवेदन किया की
प्रार्थी व अप्रार्थीगण के बीच लोक अदालत की
भावना से व आपसी समझौदा से राजीनामा
हो जाने से तब पर बंधन प्रार्थना पत्र को
आगे नहीं चलाना चाहते. प्रार्थी की प्रार्थना
को आत ही तलब की जावे. प्रार्थनी तलब
की गई। प्रार्थी आदि व प्रार्थी बलगम, 346
अप्रार्थी संख्या 1 व 2 की ओरसे आदि
सामान्यपाल द्वारा मूल प्रार्थनी में व कालका
पेश किया गया प्रार्थी द्वारा एक प्रार्थना पत्र
जाति राजस्व बंधन प्रार्थना पत्र को जरि
राजीनामा विद्वा किए जाने हेतु पेश कर
निवेदन किया की प्रार्थी व अप्रार्थीगण के
बीच राजीनामा हो जाने से प्रार्थी द्वारा वाद
जरि राजीनामा विद्वा किए जाने हेतु प्रार्थना
पत्र किया है जिसे माननीय सामान्यपाल द्वारा
स्वीकार किया गया है। साथ ही प्रस्तुत बंधन
प्रार्थना पत्र के सामान्य में जाति अपील साविकारी
जोधापुर में चल रही अपील को भी प्रार्थी द्वारा
विद्वा किया गया है जो की माननीय अपीलगी
- सामान्य द्वारा स्वीकार किया है। अतः अन्त

पहचान कर मी
कमिश्नर
(आयुक्त)



रव्या लाल
आयुक्त
फ. 102

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही पर इनिशियल्स जज	नम्बर तारीख हुकम हुकम में
---------------	-----------------------------------	---------------------------------------

स्थगन प्रार्थना पत्र को जारी विद्वान् स्वारिज
किंग जाकर व पुन प्रेश करने की अनुमति
के साथ स्वारिज किंग जावे।

पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रार्थी के
स्थगन प्रार्थना पत्र के सम्बन्ध में मूल
वाद को जारी राजीनामा विद्वान् स्वारिज किंग
जाया है। ऐसी स्थिति में प्रार्थना पत्र अन्तर्गत



912 राज कक्षा आये वत ही *infructuous*
जाता है। अतः प्रार्थी द्वारा प्रेश प्रार्थना पत्र
की कार किंग जाकर प्रार्थना पत्र अन्तर्गत पारा
912 राज कक्षा अंघि निगम को पुन प्रेश
करने की अनुमति के साथ जारी राजीनामा
विद्वान् स्वारिज किंग जाता है। पत्रावली
फैसल सुमार होकर नतीही मूल पत्रावली
है।

(Signature)

उपाखण्ड अधिकारी एवं उपाखण्ड मजिस्ट्रेट
जोधपुर (दक्षिण)